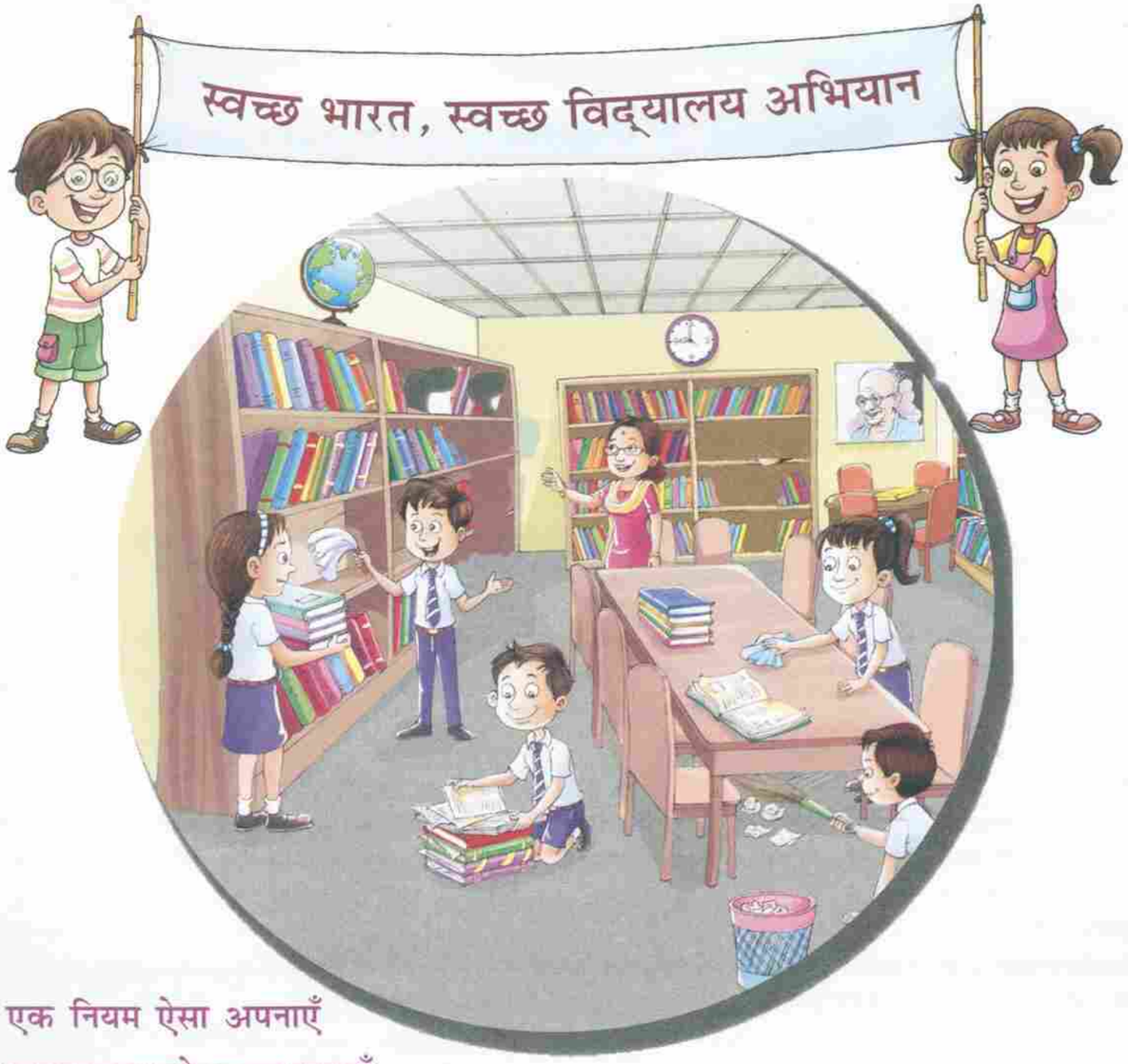

एक नियम ऐसा अपनाएँ
पुस्तकालय को स्वच्छ बनाएँ,
पुस्तकों में छिपा सारा संसार
ये ज्ञान का हैं भंडार,
करें न गंदा, न फाड़ें पन्ने
आओ, मिल-जुलकर हम यह प्रण लें!

शिक्षण संकेत • शिक्षक/शिक्षिकाएँ **'स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय अभियान'** के तहत इस गतिविधि को करवाएँ। महीने में एक दिन निर्धारित करें। ध्यान रहे कि इस गतिविधि को बच्चे शिक्षक-शिक्षिकाओं के निरीक्षण एवं दिशा-निर्देशों से संपन्न करें।

1

प्रकृति का संदेश

पठन से पूर्व

प्रकृति में जितनी भी वस्तुएँ हैं, सभी हमें कुछ-न-कुछ सीख देती हैं। सजीव ही नहीं, निर्जीव वस्तुएँ भी हमें जीने की राह बताकर हमारा मार्गदर्शन कर सकती हैं। पृथ्वी, पहाड़, नदियाँ, सागर, आकाश, चाँद, सितारे आदि प्राकृतिक वस्तुओं के गुणों को ध्यान में रखकर हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

पाठ-परिचय

यह पाठ एक प्रेरणादायी कविता है, जिसके माध्यम से कवि सोहनलाल द्विवेदी जी हमें प्रकृति के संदेश को ग्रहण करने की प्रेरणा दे रहे हैं। पर्वत, सागर, तरंग, पृथ्वी और नभ हमें ऐसा संदेश दे रहे हैं, जिससे हमारे भावी जीवन का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

चर्चा करें

बच्चों से पूछें कि अपने चारों ओर की वस्तुओं से हम क्या-क्या सीख सकते हैं। उदाहरणस्वरूप पेड़ हमें परोपकार करना सिखाते हैं, चींटियाँ हमें परिश्रमशील बनने की सीख देती हैं। इसी तरह पर्वत, नदी, पृथ्वी, आकाश आदि भी हमें कुछ ऐसी सीख देते हैं।

पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है लहराकर,
मन में गहराई लाओ।

समझ रहे हो क्या कहती है,
उठ-उठ, गिर-गिर तरल तरंग।
भर लो-भर लो अपने मन में,
मीठी-मीठी मृदुल उमंग।

पृथ्वी कहती, धैर्य न छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार।
नभ कहता है, फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा संसार।

–सोहनलाल द्विवेदी

मौखिक प्रश्न

1. ऊँचा बनने की बात कौन कहता है?
2. अपने मन में उमंग भरने के लिए कौन कहता है?
3. पृथ्वी क्या कहती है?
4. 'सारा संसार ढक लेने' का क्या अर्थ है?

शब्दार्थ

प्रकृति = कुदरत (nature)
संदेश = सूचना, समाचार (message)
शीश = मस्तक, माथा (head)
सागर = समुद्र (ocean)
तरल = बहनेवाला पदार्थ (liquid)
तरंग = लहर (wave)
मृदुल = कोमल (soft)
उमंग = उल्लास (joy)
धैर्य = धीरज (patience)
भार = बोझ (burden)
नभ = आकाश (sky)

शब्द-भंडार

पर्यायवाची शब्द

पर्वत - पहाड़, गिरि, भूधर
पृथ्वी - धरा, धरती, भू, मही
शीश - मस्तक, माथा, ललाट
नभ - आकाश, गगन, आसमान
सागर - सिंधु, समुद्र, रत्नाकर
संसार - जग, विश्व, जगत

विलोम शब्द

गहरा × उथला
तरल × ठोस
धैर्य × अधैर्य
मृदुल × कठोर
फैलना × सिकुड़ना
ऊँचा × नीचा

अभ्यास

पाठ से प्रश्न

Comprehension based on Lesson

(क) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. पर्वत हमें क्या संदेश देता है?
2. 'मन में गहराई' लाने की बात कौन कहता है?
3. पृथ्वी हमें क्या शिक्षा देती है?
4. आकाश हमें क्या संदेश देता है?

(ख) सही उत्तर के सामने सही (✓) का निशान लगाइए।

1. शीश उठाकर कौन कहता है?
   (i) सागर ☐ (ii) आकाश ☐ (iii) पर्वत ☐
2. सागर क्या कहता है?
   (i) मचलने के लिए ☐ (ii) मन में गहराई लाने के लिए ☐
   (iii) ऊँचा बनने के लिए ☐
3. धैर्य न छोड़ने के लिए कौन कहता / कहती है?
   (i) तरल तरंग ☐ (ii) पृथ्वी ☐ (iii) नभ ☐
4. मृदुल उमंग भरने की बात कौन करता है?
   (i) पृथ्वी ☐ (ii) लहरें ☐ (iii) आकाश ☐

(ग) कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए।

समझ रहे हो _____
_____ तरंग।
भर लो-भर लो _____
मीठी-मीठी _____ ।

शब्द-कौशल

Vocabulary

(क) नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पर्वत – _____
शीश – _____
सागर – _____
पृथ्वी – _____

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

तरल × _____
मृदुल × _____
गहरा × _____
फैलना × _____
धैर्य × _____
गहराई × _____

(ग) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए।

प्रकृति = _____
संदेश = _____
तरंग = _____
धैर्य = _____
मृदुल = _____
तरल = _____

भाषा-कौशल

Language-Skills

(क) लिंग की पहचान।

बच्चो, आप जानते हैं कि न केवल प्राणियों, बल्कि वस्तुओं, स्थानों और भावों के नाम भी संज्ञा होते हैं। जैसे–मेज़, मंदिर, बुराई आदि। इनके लिंग की पहचान के कुछ नियम होते हैं। परंतु कुछ शब्द ऐसे हैं, जो सदा पुल्लिंग होते हैं और कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग होते हैं।

आप प्रत्येक के लिए तीन-तीन नाम लिखिए। इनके नाम पुल्लिग होते हैं।

1. देशों के नाम – _____ _____ _____
2. पेड़ों के नाम – _____ _____ _____

नीचे दी गई संज्ञाएँ सदा स्त्रीलिंग होती हैं। प्रत्येक के लिए तीन-तीन नाम लिखिए।

1. नदियों के नाम – _____ _____ _____
2. भाषाओं के नाम – _____ _____ _____

(ख) उदाहरण पढ़िए, समझिए और उपयुक्त शब्दों से रिक्त स्थानों को भरिए–

उदाहरण – सागर की तरह गहरा – सागर-सा गहरा
दूध की तरह सफ़ेद – दूध-सा सफ़ेद

1. कौए-सा _____
2. पर्वत-सा _____
3. रूई-सा _____
4. मिश्री-सा _____

ऊँचा
मीठा
काला
हलका

रचनात्मक अभिव्यक्ति Creative Activity

दिए गए शब्द-संकेतों की सहायता से प्रत्येक चित्र के लिए दो-तीन पंक्तियाँ लिखिए।

(सुंदर, खुशबूदार, सदा खुश)

1. _____
_____
_____
_____
_____

2. _____
_____
_____
_____
_____
_____

(उजाला, अंधकार दूर करता)

(काला, गुनगुनाता, गाता)

3. _____
_____
_____
_____
_____
_____

खेल-खेल में Fun Time

कक्षा के छात्रों को दो टोलियों में बाँटकर शब्दों की अंत्याक्षरी करवाएँ।

वाचन-कौशल का विकास Speaking-Skills

बच्चो, अपने भूगोल के अध्यापक/अध्यापिका जी से मिलिए तथा उनसे बातचीत करके जानिए कि हमारे देश में कौन-कौन से पर्वत तथा नदियाँ हैं। उन सब नामों की सूची बनाकर औरों को बताइए।

जीवन-कौशल Life-Skills

इस कविता को पढ़कर आप जान गए होंगे कि इस दुनिया की हर चीज़ से हम कुछ ज्ञान या सीख पा सकते हैं; जैसे–लगातार बहने वाली नदी हमें सदा अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है। नदी कभी अपना जल नहीं पीती, वह अपने जल से सारी धरती की प्यास बुझाती है। वैसे ही पेड़ भी अपने फल नहीं खाता। नदियों और पेड़ों से हम दूसरों के काम आने की सीख ले सकते हैं।

अभिवृत्ति एवं जीवन-मूल्य Attitude and Values

बच्चो, जैसा कि हमने अभी ऊपर बताया है कि हर चीज़ से हम सीख ले सकते हैं। हम अगर ध्यान से देखें तो हमें समझ में आ जाएगा कि हर वस्तु का अपना महत्त्व होता है। मान लीजिए आप रास्ते में पड़े पत्थर से ठोकर खाते हैं, तो आपको क्या करना चाहिए? अपनी चोट सहलाते हुए, बड़-बड़ करते हुए आगे बढ़ जाना चाहिए या उस पत्थर को रास्ते से हटाकर एक तरफ़ कर देना चाहिए ताकि दूसरों को ठोकर न लगे? ज़रा सोचिए और बताइए।